कलियुगे संघे शक्तिः

अपील

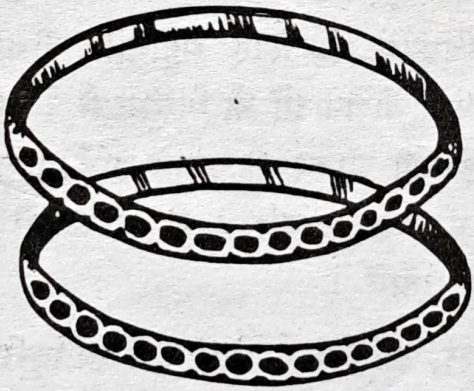

बिहार लाहकार (लहेड़ी) महासंघ

(निबंधन सं० : 222/86-87)

प्रधान कार्यालय : गुलाबी भवन, हरनीचक,
मेन रोड, अनीसाबाद, पटना-800 002
दुरभाष : 0612-3261003, 9334386953

स्वजाति बंधुओं!

चैत्र कृष्ण पक्ष शीतलाष्टमी के पावन अवसर पर शीतला माता मंदिर, मघड़ा, बिहारशरीफ के प्रांगण में आज दिनांक 24.03.2014, सोमवार, को लहेड़ी जाति के बंधु-बांधव के समागम में, अपार हर्ष के साथ सूचित करना है कि बिहार सरकार, सामान्य प्रशासन विभाग के संकल्प, ज्ञापांक सं०-19313, दिनांक 20.12.2013 के द्वारा "लहेड़ी (LAHERI)" जाति को अत्यंत पिछड़े वर्गों की सूची (अनुसूची-1) के क्रमांक-121 पर स्वतंत्ररूप से शामिल कर लिया गया है।

अतिपिछड़ा वर्ग की अनुसूची-1 में आने का अर्थ यह है कि :

(1) सरकार इस वर्ग में शामिल जातियों के उत्थान व विकास के लिए सहायता, रियायत आदि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध कराती है। इसकी जानकारी अपने वार्ड पार्षद, मुखिया या प्रखण्ड कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर लाभ उठावें ।

(2) स्कूल, कॉलेज में मिल रही छात्रवृत्ति का लाभ उठावें ।

(3) उच्च शिक्षा में यानि मेडिकल, इंजीनियरिंग आदि की पढ़ाई लड़कियों के लिए मुफ्त में उपलब्ध है।

(4) इस वर्ग में शामिल होने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि अब सरकारी नौकरी प्राप्त करना आसान होगा । आज भी यह स्थिति है कि इस वर्ग से आनेवाले औसत दर्जे के विद्यार्थी भी सरकारी नौकरी प्राप्त कर रहे हैं क्योंकि इस वर्ग

के लोग अभी भी पढ़ाई लिखाई में पिछड़े हुए हैं। अतः आपस में कठिन प्रतियोगिता नहीं है।

अतः निवेदन है कि हर हाल में शिक्षा ग्रहण करें, डिग्री हासिल करें, आरक्षण का लाभ उठावें और सरकारी नौकरियों में अपनी हिस्सेदारी लें ।

जाति प्रमाण पत्र आसानी से हासिल करने के लिए ऑन लाईन आवेदन इन्टरनेट के माध्यम से कर सकते हैं। ऑन लाईन आवेदन करने के लिए <gad.bih.nic.in> <Bihar Right to Public Service> <Apply online> वेवसाईट का उपयोग करें । जाति प्रमाण पत्र हासिल करने में आ रही किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर सुझाव के लिए संघ के महासचिव श्री अनिल कुमार गुप्ता के मोबाइल नं० : 9334386953 पर सहर्ष सम्पर्क कर सकते हैं।

इस अभूतपुर्व सफलता के पीछे कोई जादू नहीं है। यह सफलता पूरे समाज के अभूपुर्व सहयोग, अनवरत संघर्ष और अथक परिश्रम का प्रतिफल है। संघ अपने समाज के प्रत्येक लोगों को हृदय से धन्यवाद देती है, हार्दिक अभिनन्दन करती है। सफलता का श्रेय किसी एक व्यक्ति को नहीं दिया जा सकता है। इसका श्रेय पूरे समाज को जाता है।

सिर्फ सफलता की चर्चा, संघर्ष की लम्बी कहानी को याद किए बगैर, अधूरी चर्चा ही कहलाएगी। हमारे संघर्ष का संगठित स्वरूप प्रथम जातीय सम्मेलन के रूप में राजगीर में सन् 1947 में सामने आया। लगभग 36 साल बाद 18 वाँ अधिवेशन, 23, 24, 25 दिसम्बर, 1983, गया में प्रथमवार लहेड़ी जाति को अतिपिछड़ा वर्ग, अनुसूची-1 में शामिल करवाने संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया । इसके 29 वर्षों बाद 23 वाँ

अधिवेशन, पटना, मई 2012 में पुनः एक बार जोर-शोर से अतिपिछड़ा में शामिल होने का संकल्प दुहराया गया। इस प्रस्ताव को अपार जनसमर्थन मिला। प्रदेश भर में घुम-घुमकर श्री किशोर कुमार लहेरी, अध्यक्ष के नेतृत्व में संघर्ष के लिए सहयोग राशि तथा समर्थन इकट्ठा किया गया । बिहार प्रदेश से बाहर बसे, समाज के बंधु-बांधवों से भी सहयोग और समर्थन प्राप्त हुआ । किशोर जी के हाथ में संघर्ष की कमान थी । किशोर जी को लोगों ने हाथों-हाथ लिया। जहाँ भी गए लोगों ने उनका गाजे-बाजे के साथ अभूतपूर्व स्वागत किया । उन्हें उपहारों से लाद दिया गया । समाज का विश्वास सातवें आसमान पर था कि अबकि बार निश्चितरूप से अतिपिछड़ा में आ जायेंगे। अतिपिछड़ा वर्ग आयोग हमारी जाति को अतिपिछड़ा में शामिल करने के उद्देश्य से विभिन्न जिलों में जाकर वास्तविक सर्वे कर रही थी । इसी बीच कार्यकारिणी के सदस्यों ने उनके साथ बैठकर कार्य की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान पाया गया कि किशोर जी के द्वारा समाज से प्राप्त, सहयोग राशि को मनमाने ढंग से खर्च किया जा रहा है। खर्च का गलत हिसाब-किताब प्रस्तुत किया गया । कार्यकारिणी के समझाने और मना करने का नतीजा यह हुआ कि किशोर जी ने आयोग द्वारा की जा रही सर्वे को असफल करने के लिए असहयोग शुरू कर दिया और बाधा उत्पन्न करने लगे कि आगे सर्वे ही न हो । यह कार्य अधर में लटक जाए। आयोग द्वारा सर्वे का कार्य रोक दिया गया। किशोर जी खुश थे क्योंकि अपने मिशन में कामयाब हो रहे थे आयोग का कार्यकाल समाप्त होने में दो-तीन माह रह गए थे। संघ निराश हो चुका था। कार्यकारिणी परेशान थी कि समाज ने इस काम को सफल बनाने के लिए जिस तरह का समर्थन व सहयोग दिया है और जिस

तरह हमलोग सफलता के इतने करीब पहुँच चुके थे। अगर असफल हो गए तो क्या समाज से फिर कभी ऐसा समर्थन प्राप्त हो सकेगा? क्या समाज एकजुट होने के बजाए बिखर नहीं जायेगा? क्या संघ के ऊपर से समाज का विश्वास खत्म नहीं हो जायेगा?

किशोर जी को अभी-अभी ही तो 23वाँ अधिवेशन, 2012 में समाज को नेतृत्व प्रदान करने के लिए चुना गया था। इन्होंने सामाजिक मंच को अपनी राजनैतिक महत्वाकांक्षा को पूरा करने का माध्यम बना लिया। संघ को अपनी आमदनी के स्त्रोत के रूप में इस्तेमाल करने लगे।

ऐसी विषम परिस्थिति में कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्य यथा (1) श्री मदन प्रसाद (बिहारशरीफ), (2) श्री बैद्यनाथ प्रसाद (खगड़िया), (3) श्री विनय कुमार (भागलपुर), (4) श्री मोहन प्र० साह (मधुबनी), (5) श्री अनिल कुमार गुप्ता (पटना) तथा (6) श्री मुकेश कुमार (पटना) ने इस कार्य को सफल बनाने हेतु कमान अपने हाथ में लिया। उक्त छः लोगों की कोर कमिटी के अथक परिश्रम के फलस्वरूप आयोग ने सर्वे का अधूरा काम पूरा किया। सारी प्रक्रिया पूरी करते हुए आयोग सरकार को अनुशंसा भेज पायी। कुछ अड़चनों के बाद, सरकार ने अनुशंसा मान ली और हमारी जाति को अतिपिछड़ा में शामिल कर लिया गया। सरकार में अनुशंसा स्वीकार करने में आई अड़चनों को दूर करने में, श्री अनिल कुमार गुप्ता, संघ के महासचिव का योगदान सराहनीय रहा। अतः इस उपलब्धि के लिए कोर कमिटी के सभी सदस्य धन्यवाद के पात्र है। समाज की ओर से कोर कमिटी के सभी सदस्यों का बहुत-बहुत अभिनन्दन।

यह उल्लेखनीय है कि किशोर जी के समाजविरोधी क्रियाकलापों के समीक्षोपरांत कार्यकारिणी ने सर्वसम्मत निर्णय से उन्हें संघ के प्रदेश अध्यक्ष के पद से बर्खास्त कर दिया है एवं उनके स्थान पर श्री मोहन प्र०साह (मधुबनी) को प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस अपील के माध्यम से समाज को सार्वजनिक रूप से यह अवगत कराया जा रहा है। समाज को यह बताना भी उचित होगा कि किशोर जी को बार-बार आग्रह करने के बावजूद, उनके द्वारा बकाया राशि और संघ का महत्वपूर्ण कागजात नहीं दिया जा रहा है।

आपका संघ, समाजिक विकास व कल्याण तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए, विभिन्न कार्य योजनाओं की रूपरेखा पर विचार कर रही है। संघ की गतिविधि, आय-व्यय का ब्यौरा आदि सारी जानकारियों का विस्तृत विवरण आप तक पहुँचाने के लिए एक पत्रिका के प्रकाशन पर संघ विचार कर रही है। यह पत्रिका बहुत जल्दी आपके हाथ में होगा। पत्रिका में आपके विचार और सुझावों को भी शामिल किया जायेगा।

आशा करते हैं कि समाज के सभी बन्धुओं की आरे से संघ व संगठन को इसी प्रकार सहयोग व स्नेह मिलता रहेगा।

धन्यवाद।

(अनिल कुमार गुप्ता)
प्रदेश महासचिव
बिहार लाहकार (लहेड़ी) महासंघ